सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 336 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 12 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

हमारी सबसे बड़ी कमजोरी हार मान लेना है। सफल होने का सबसे सरल तरीका है हमेशा एक और बार प्रयास करना।

-थॉमस ए. एडीसन

यूपी प्रभारी संजय सिंह ने सुल्तानपुर... 2 | यूपी चुनाव : जनता तक पहुंच... 3 | अब प्रदेश में बढ़ी कोरोना की... 7

यूपी में चढ़ा सियासी पारा

भाजपा में भगदड़, अब भड़ाना ने थामा रालोद का दामन

» स्वामी प्रसाद मौर्या समेत कई भाजपा विधायकों ने कल दिया था इस्तीफा

» भाजपा के शीर्ष नेतृत्व में मचा हड़कंप, डैमेज कंट्रोल में जुटी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ प्रदेश का सियासी पारा चरम पर पहुंच गया है। चुनाव से पहले भाजपा में भगदड़ मची हुई है। स्वामी प्रसाद मौर्या समेत कई विधायकों के इस्तीफा देने के चौबीस घंटे के भीतर भाजपा को एक और बड़ा झटका लगा है। भाजपा विधायक अवतार सिंह भड़ाना आज जयंत चौधरी की मौजूदगी में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए हैं। वहीं प्रत्याशियों के चयन को लेकर दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में बैठकों का दौर जारी है।

आज सुबह रालोद मुखिया जयंत चौधरी ने अवतार सिंह भड़ाना का पार्टी में स्वागत किया। साथ ही उनकी तस्वीर ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। अवतार सिंह भड़ाना मुजफ्फरनगर के मीरपुर विधायक हैं। 2017 में वह भाजपा के टिकट पर ही चुनाव लड़े थे और विधायक बने थे मगर 2019 के लोक सभा चुनाव में वह कांग्रेस की टिकट पर लोक सभा चुनाव लड़े थे, जिसमें उन्हें हार मिली थी। हालांकि, उन्होंने विधान सभा से इस्तीफा नहीं दिया था और न ही उनकी सदस्यता रद्द की गई थी। इस वजह से अवतार सिंह भड़ाना को भाजपा का ही विधायक गिना जाता रहा है। बताया जा रहा है कि 2019 लोक सभा चुनाव के बाद से ही वह पार्टी छोड़ने की तैयारी कर रहे थे। सूत्र यह भी बता रहे हैं कि इस बार विधान सभा चुनाव में कांग्रेस की टिकट पर चुनाव लड़ने वाले थे, मगर अब यह तय हो गया है कि वह रालोद से ही अपनी किस्मत आजमाएंगे। गौरतलब है कि भाजपा में स्वामी प्रसाद मौर्या के इस्तीफे के बाद तीन अन्य विधायकों ने कल पार्टी छोड़ी थी। इसके बाद से भाजपा डैमेज कंट्रोल में जुटी हुई है। माना जा रहा है कि मौर्या सपा में शामिल हो सकते हैं। हालांकि मौर्या ने कहा है कि वे 14 जनवरी को अपनी रणनीति का खुलासा करेंगे।

दिल्ली से लखनऊ तक बैठकों का दौर

विधायक शाक्य आए सामने, सपा में शामिल होने का किया ऐलान

स्वामी प्रसाद मौर्या के इस्तीफे के बाद औरैया जिले की बिधूना सीट से भाजपा विधायक विनय शाक्य भी लापता हो गए थे। उनकी बेटी ने दावा किया था कि उनका अपहरण किया गया है। हालांकि पुलिस ने मामले में बयान जारी किया और कहा कि उनका अपहरण नहीं हुआ है। अब बिधूना विधायक विनय शाक्य ने मीडिया में बयान जारी किया है कि उनके अपहरण की बात गलत है। उनका कोई अपहरण नहीं हुआ है और वह स्वामी प्रसाद मौर्या के साथ हैं और समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले हैं। बिधूना सीट से विनय शाक्य दो बार विधायक रह चुके हैं।

दिल्ली में भाजपा कोर ग्रुप की बैठक, प्रत्याशियों पर चर्चा

नई दिल्ली। दिल्ली में आज फिर से भाजपा कोर ग्रुप की बैठक जारी है। बैठक में यूपी में पार्टी उम्मीदवारों के नामों पर मंथन चल रहा है। इससे पहले कल हुई बैठक में गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के शीर्ष नेताओं ने उत्तर प्रदेश में होने वाले आगामी चुनावों पर चर्चा के लिए एक बैठक की थी। इस बैठक में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी डिजिटल माध्यम से शामिल हुए थे। बैठक लगभग 10 घंटे चली थी और इस बैठक में चुनाव की रणनीति पर चर्चा हुई। इसमें पहले चरण की सीटों को लेकर चर्चा हुई और दूसरे और तीसरे चरण की सीटों का भी फीडबैक लिया गया। पार्टी छोड़ने वाले विधायकों पर भी मंथन हुआ।

भाजपा में शामिल हुए सपा और कांग्रेस के एक-एक विधायक

चुनाव घोषणा के साथ नेताओं के दलबदल का सिलसिला जारी है। आज सहारनपुर की बेहट सीट से कांग्रेस विधायक नरेश सैनी ने भाजपा ज्वाइन कर ली। उनके साथ फिरोजाबाद के सिरसगंज से सपा विधायक हरिओम यादव ने भी भाजपा की सदस्यता ली। सपा के पूर्व विधायक डॉक्टर धर्मपाल यादव भी भाजपा में शामिल हो गए। सभी ने दिल्ली में केशव प्रसाद मौर्य, दिनेश शर्मा और स्वतंत्र देव सिंह की मौजूदगी में भाजपा ज्वाइन की।

सहयोगी दलों के साथ अखिलेश ने किया मंथन

जल्द जारी हो सकती उम्मीदवारों की सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव को लेकर लखनऊ में सियासी हलचल तेज हो गई है। आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सहयोगी दलों के साथ बैठक की। इसमें राष्ट्रीय लोकदल, महान दल, प्रगतिशील समाजवादी पार्टी, जनवादी पार्टी, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी समेत कई अन्य दलों के नेता मौजूद रहे।

माना जा रहा है कि इस बैठक में सीटों के बंटवारे और प्रत्याशियों के चयन को लेकर वार्ता हुई है। जल्द ही सपा अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर सकती है। बैठक के बाद सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, सपा के सभी सहयोगी दलों के शीर्ष नेतृत्व के साथ आज हुई उत्तर प्रदेश के विकास और भविष्य की बात। वहीं शिवपाल सिंह यादव अखिलेश यादव के घर पहुंचे। उनके साथ उनके पुत्र आदित्य यादव भी थे। बताया जा रहा है कि सपा ने कुछ उम्मीदवारों के नाम तय कर दिए हैं। जल्द ही इनकी घोषणा कर दी जाएगी। वहीं, कांग्रेस नेता इमरान मसूद का समाजवादी पार्टी में जाना तय हो गया है। उनके भाई व कांग्रेस विधायक मसूद अख्तर ने कहा कि हम (कांग्रेस) सपा के साथ गठबंधन करना चाहते थे। यूपी में सपा-भाजपा की सीधी लड़ाई होनी है। जब गठबंधन तय नहीं हो सका तो मैंने व इमरान मसूद ने सपा में शामिल होने का निर्णय लिया है।

हाईअलर्ट पर भाजपा, शाह को हालात संभालने की जिम्मेदारी

» सपा को जवाबी झटका देने की रणनीति बना रही भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वामी प्रसाद मौर्य सहित कुछ विधायकों के इस्तीफे के बाद भाजपा हाईअलर्ट पर है। हालात संभालने की कमान अब गृहमंत्री अमित शाह के हाथ में है। भाजपा मौर्य से लगातार संपर्क में है। सहयोगियों को भी साधे रखने की कवायद चरम पर है। भाजपा की रणनीति किसी भी तरह मौर्य को रोकने और जल्द सपा को बड़ा झटका देने की है।

मौर्य ने ऐसे वक्त पार्टी छोड़ी, जब दिल्ली में चुनाव के पहले तीन चरण के उम्मीदवारों के चयन पर अहम बैठक चल रही थी। इस्तीफे की खबर मिलते ही नाराज नेताओं को मनाने की कवायद शुरू की गई। भाजपा ने सहयोगी अपना दल व निषाद पार्टी से दो बार संपर्क साधा। दोनों सहयोगियों को सम्मानजनक सीटें देने का भरोसा दिया। दरअसल, भाजपा में हलचल तब और बढ़ गई, जब अपना दल के कार्यकारी अध्यक्ष आशीष पटेल ने भाजपा को सामाजिक न्याय से जुड़े नेताओं का सम्मान करने की नसीहत दी।

नाराज मंत्री और विधायकों को मनाने की कोशिशें तेज

सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट मंत्री दारासिंह चौहान, राज्यमंत्री धर्मसिंह सैनी, विधायक ममतेश शाक्य, विनय शाक्य, धर्मेंद्र शाक्य व एमएलसी देवेंद्र प्रताप सिंह के भी भाजपा छोड़ने की खबर वायरल होने के बाद पार्टी नेताओं ने दिल्ली से सभी से फोन पर बात की। समझाने का प्रयास किया। कहा, यदि कोई नाराजगी है तो बैठकर बात की जाएगी। नेतृत्व समाधान का प्रयास करेगा। पर, जल्दबाजी में ऐसा निर्णय नहीं करना चाहिए, जिससे पार्टी के साथ उन्हें व्यक्तिगत भी सियासी नुकसान हो। इसके बाद, सैनी समेत कुछ विधायकों के भाजपा न छोड़ने के संदेश आने लगे।

भाजपा पर पश्चिम में नए चेहरों पर दांव लगाने का दबाव

» कई विधायकों की खिसक सकती है जमीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पश्चिमी यूपी में विस प्रत्याशियों का नाम तय करने में जुटी भाजपा चुनौतियां की भंवर में खड़ी है। पार्टी पर 2017 का प्रदर्शन दोहराने का भारी दबाव है, जबकि ज्यादातर विधायकों के खिलाफ मतदाताओं में नाराजगी है। पार्टी के कुछ विधायकों के सपा में जाने के बाद अब भाजपा आक्रामक रणनीति के साथ आगे बढ़ेगी। पार्टी बड़ी संख्या में नए चेहरों को मौका दे सकती है। पश्चिम यूपी की 71 सीटों में से दर्जनों का टिकट कट सकता है। मुरादाबाद से लेकर सहारनपुर तक नए चेहरों पर दांव खेलने की पटकथा लगभग बन चुकी है। 10 फरवरी को पहले चरण में मेरठ समेत कई जिलों में विधानसभा चुनाव होंगे। चुनाव आयोग ने 21 जनवरी को नामांकन की अंतिम तिथि घोषित की है, जिसके पहले प्रत्याशियों की सूची जारी करनी होगी। पश्चिम यूपी में सपा-रालोद गठबंधन के बाद उभरे नए राजनीतिक समीकरण भाजपा की आंखों में चुभ रहे हैं। भाजपा ने पहले लखनऊ और नई दिल्ली में पश्चिम यूपी के टिकटों को लेकर मंथन किया। प्रत्याशियों की पहली सूची 16 जनवरी तक आनी है। 71 सीटों में भाजपा के 50 विधायक हैं, जिसमें प्रदेश सरकार में मंत्री सुरेश राणा, कपिल देव अग्रवाल, अतुल गर्ग, डॉ.धर्मसिंह सैनी, अनिल शर्मा एवं दिनेश खटीक शामिल हैं। विस चुनाव 2022 में इन दिग्गजों के अलावा क्षेत्रीय इकाई की भी साख फंसी है। पश्चिम उप किसान आंदोलन का केंद्र रहा है। यहां जाट-गुर्जर फैक्टर एवं मुस्लिमों की आबादी ज्यादा होने से भाजपा की डगर आसान नहीं होगी। पार्टी कई सीटों पर आक्रामक रणनीति के साथ बदलाव की हिम्मत दिखा सकती है। पश्चिम यूपी के 14 जिलों में कम से कम एक-एक बदलाव किया जा सकता है। संघ ने भी कई सीटों पर बदलाव को हरी झंडी दे दी है।

आगरा की सभी सीटों पर कांग्रेस प्रत्याशियों के नाम फाइनल

» तीन सीटों पर होंगी महिला प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने आगरा की 9 विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नाम लगभग फाइनल कर लिए हैं। 3 सीटों पर कांग्रेस महिला प्रत्याशियों को उतारेगी, जबकि बाकी 6 सीटों पर जातीय समीकरण के आधार पर प्रत्याशियों का चयन किया गया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रोहित चौधरी संभावित प्रत्याशियों से की नब्ज टटोलने आगरा आए थे। दावेदारों से बात कर वह हर सीट से 2 नाम लेकर दिल्ली रवाना हो गए हैं। संभावना व्यक्त की जा रही है कि आज आगरा के दावेदारों की सूची पर शीर्ष नेतृत्व अंतिम मुहर लगा देगा। गुरुवार को प्रत्याशियों के नाम की घोषणा हो सकती है।

आगरा दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष दुष्यंत शर्मा और पूर्व पार्षद अनुज में से किसी एक को मैदान में पार्टी उतार सकती है। उत्तर विधानसभा क्षेत्र से वरिष्ठ कांग्रेस नेता विनोद बंसल और अरविंद दोनेरिया में से किसी एक को टिकट दे सकती है। पिछले दिनों आगरा आने के दौरान प्रियंका गांधी ने वाल्मीकि समाज के एक प्रत्याशी को चुनाव लड़ाने की घोषणा की थी। ऐसे में छावनी विधानसभा क्षेत्र के लिए मृतक सफाईकर्मी अरुण वाल्मीकि की पत्नी सोनम का नाम भी सूची में रखा गया है। उनके चुनाव न लड़ने की स्थिति में यहां से कांग्रेस पीसी नरवार को टिकट दे सकती है। आगरा ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में एक बार फिर प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र सिंह को या युवा नेता अमित सिंह को चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है। एत्मादपुर सीट पर कांग्रेसी नेत्री सरोज चौहान, मीना सिंह और समीक्षा शर्मा की प्रबल दावेदारी है। बाह सीट महिला के खाते में जा सकती है।

नोएडा में ढकी जाएगी मायावती की मूर्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नोएडा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में इस बार मुकाबला बेहद दिलचस्प है। सभी दल एक-दूसरे को मात देने के लिए चुनावी मैदान में कड़ा संघर्ष कर रहे हैं लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि पिछली बार की तरह इस बार बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष और उनकी सरकार की तरफ से बनाए गए स्मारकों में लगे उनकी पार्टी के चुनाव चिन्ह हाथी की मूर्तियों को क्या नहीं ढका जाएगा, इसका जवाब है बिल्कुल ढका जाएगा।

हालांकि माडल कोड आफ कंडक्ट के तहत बसपा सुप्रीमो की मूर्ति को कवर किया जाएगा। एडीएम वित्त के आदेश पर एडीएम (ई) नितिन ने नोएडा प्राधिकरण को राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल में लगी बसपा सुप्रीमो मायावती की दोनों मूर्ति को कवर करने को कहा। इसके लिए पूरी टीम राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर पहुंची, लेकिन मूर्ति कवर करने के लिए पालिथिन नहीं होने पर बिना कवर किए ही टीम वापस लौट आई। आज फिर पालिथिन लेकर टीम दोबारा दलित प्रेरणा स्थल पर जाएगी और मूर्ति को कवर करने का काम होगा।

आने वाले दिनों में और लोग सपा में शामिल होंगे : शरद पवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इस समय यूपी की राजनीति सपा और भाजपा के इर्द गिर्द घुम रही है। स्वामी प्रसाद मौर्य का भाजपा से इस्तीफा देकर सपा में शामिल होना राजनीतिक गलियारों के लिए बड़ी खबर बन गई है। ऐसे में शरद पवार ने अब इस दलबदल पर एक बड़ा बयान दिया है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार का कहना है कि आने वाले दिनों में बीजेपी के 13 और लोग सपा के खेमे में शामिल हो जाएंगे। शरद पवार का कहना है कि यह परिवर्तन की हवा है। लोगों का भारतीय जनता पार्टी पर से विश्वास उठ चुका है इसलिए वे अब बदलाव चाहते हैं। इसके अलावा पार्टी के नेता भी भाजपा से खुश नहीं हैं। यही कारण है कि वे पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। जल्द ही भाजपा को एक और झटका लगेगा, पार्टी के 13 नेता सपा में शामिल होंगे। गौरतलब है कि कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने इस्तीफा देकर सबको चौंका दिया था।

जिन लोगों ने कोई काम नहीं किया वह लोगों को बरगला रहे : सीएम धामी

» मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा है कि जिन लोगों ने कोई काम नहीं किया वह लोगों को बरगला रहे हैं। उन्होंने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। कहा कि केंद्र सरकार से राज्य के लिए एक लाख करोड़ की योजनाएं स्वीकृत हुई हैं। पीएम मोदी ने देहरादून में 18 हजार करोड़ और हल्द्वानी में 17.5 करोड़ की योजनाओं का शिलान्यास किया था।

कहा कि जल्द दिल्ली से देहरादून दो घंटे का सफर होगा। भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान पर्वतीय मार्गों पर भी सड़कों का नेटवर्क मजबूत हुआ है। वहीं उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि जिन लोगों ने कभी कोई काम नहीं किया वह टनकपुर बागेश्वर रेल लाइन के मामले में लोगों को बरगलाने का काम कर रहे हैं। हमारी सरकार ने देहरादून एयरपोर्ट की क्षमता बढ़ाई, नए हवाई रूट ढूंढे, जिन पर सेवाएं चल रही हैं। हमारी सरकार ने 500 से अधिक फैसले लिए और न केवल फैसले लिए बल्कि वित्तीय प्रबंधन करते हुए आदेश भी जारी किए।

यूपी प्रभारी संजय सिंह ने सुल्तानपुर की 2 सीटों पर उतारे 'आप' प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव का शंखनाद होने के बाद आप (आम आदमी पार्टी) के यहां सभी 403 सीटों पर प्रत्याशी उतारे जाएंगे। आप सांसद संजय सिंह ने इसका ऐलान किया है। हालांकि संजय सिंह का गृह जनपद सुल्तानपुर है, जहां 5 सीटें हैं। सांसद संजय सिंह ने फिलहाल पार्टी ने यहां से 2 प्रत्याशियों के नाम घोषित किए हैं। शुरुआत से ही जो लड़ाई से बाहर हैं। आप ने सुल्तानपुर विधानसभा सीट से धर्मेश मिश्रा और कादीपुर सुरक्षित सीट से अधिवक्ता सुरेश कुमार को प्रत्याशी बनाया है।

दोनों ही प्रत्याशियों का अपना कोई वजूद नहीं है। यही नहीं इन्हें पब्लिक में भी कोई न जानता है न पहचानता है। उधर, एक आप नेता ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि इसौली सीट से बड़ा चेहरा उतारा जाएगा। 2017 में हुए नगरपालिका चुनाव में आप ने नम्रता श्रीवास्तव को प्रत्याशी बनाया था, जो चौथे स्थान पर रहीं। बता दें कि संजय सिंह सुल्तानपुर-अमेठी सीमा पर स्थित अमेठी के टिकावर गांव के मूल निवासी हैं। पिता दिनेश कुमार सिंह एमजीएस इंटर कॉलेज के रिटायर्ड शिक्षक हैं और माता राधिका सिंह जूनियर हाईस्कूल की सेवानिवृत्त अध्यापिका। वो दो भाई हैं, दूसरे भाई आशुतोष सिंह अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं।

चार दलों का आम आदमी पार्टी में विलय

चार छोटे दलों ने लखनऊ में आम आदमी पार्टी (आप) में अपनी पार्टी का विलय करने की घोषणा की। इनमें संयुक्त जनादेश पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बबलू श्रीवास्तव, सबका दल यूनाइटेड पार्टी के अध्यक्ष सुरेश कुमार वर्मा, राष्ट्रीय जन अधिकार पार्टी के अध्यक्ष आलोक कुमार सिंह और समान अधिकार पार्टी के अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन खान शामिल हैं। आप के प्रदेश प्रभारी संजय सिंह ने सभी दलों का विलय करते हुए उनके अध्यक्षों को पार्टी की सदस्यता दिलाई। आप के प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि अपने-अपने क्षेत्रों में मजबूत पकड़ने रखने वाले इन दलों के जुड़ने से पार्टी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी मुद्दा की नहीं, मुद्दों की राजनीति करती है। इनके अलावा राजधानी के प्रमुख चिकित्सक डॉ. केपी चंद्रा ने भी आप की सदस्यता ग्रहण की।

यूपी चुनाव : जनता तक पहुंच बनाने को उतारे पदाधिकारी, बूथ पर भी नजर

» विधान सभा क्षेत्रों में लगातार कर रहे हैं जनसंपर्क अभियान

» बिहार के भाजपा नेताओं को भी लगाया गया प्रचार में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ उत्तर प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है। भाजपा ने सत्ता को बरकरार रखने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। लिहाजा वह बड़े कार्यकर्ताओं को भी मैदान में उतार चुकी है। हर जिले में यही व्यवस्था की गयी है। राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों को चुनावी जंग जीतने के लिए लगा दिया गया है।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव को लेकर भाजपा ने कमर कस ली है। पार्टी लोगों से संवाद बनाने के लिए बूथ स्तर को मजबूत करने में जुटी है। चुनाव को लेकर भाजपा कितनी संवेदनशील और सतर्क है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पार्टी ने बहुत से बड़े पदों के कार्यकर्ताओं को छोटी-छोटी जिम्मेदारी सौंपी हैं और जिसे वे अपने पद के प्रोटोकाल को दरकिनार करके पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं। राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों ने क्षेत्र स्तर की जिम्मेदारी संभाल रखी है और बहुत से प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों ने संगठन के निर्देश के मुताबिक खुद को एक-एक विधान सभा क्षेत्र के दायरे में समेट लिया है और चुनाव अभियान को सफल बनाने में लगे हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री अरविंद मेनन क्षेत्रीय संगठन चुनाव प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। इसके लिए वह क्षेत्र के सभी 10 जिलों (गोरखपुर, बस्ती और आजमगढ़ मंडल) में लगातार दौरा कर रहे हैं। मेनन केरल के रहने वाले हैं और मध्य प्रदेश के महामंत्री संगठन की जिम्मेदारी सफलतापूर्वक निभा चुके हैं। प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता संगठनात्मक दृष्टि से क्षेत्र के प्रभारी की भूमिका में पहले से हैं। उन्होंने भी चुनावी कमान संभाल ली है। वहीं राज्य सभा सदस्य विवेक ठाकुर क्षेत्र के चुनाव प्रभारी की भूमिका में हैं। अलग-अलग विधान सभा क्षेत्रों में चुनावी संयोजन के लिए जो प्रवासी बनाए गए हैं, उनमें से ज्यादातर पड़ोसी राज्य बिहार के प्रदेश स्तर के पदाधिकारी हैं। मसलन राजेश वर्मा और शैलेंद्र मिश्रा बिहार के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं। प्रवासी सुबोध पासवान, राजीव यादव, मुन्ना सिंह यादव और सोनू शर्मा वहां के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य हैं। अमरेंद्र कुमार किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री हैं जबकि रंजन गौतम प्रदेश आईटी संयोजक हैं। यह प्रदेश स्तर के पदाधिकारी होते हुए विधान सभा क्षेत्र में चुनाव तक के लिए अपना स्थायी निवास बनाए हुए हैं। बूथ से लेकर शक्ति केंद्र तक कार्यकर्ताओं को सहेज रहे हैं। पार्टी की रणनीति उन तक पहुंचा रहे हैं। चुनाव की घोषणा के बाद प्रवासियों की बैठक की जा रही है, जिसमें क्षेत्रीय पदाधिकारियों और जिला पदाधिकारियों ने उन्हें पार्टी नेतृत्व द्वारा चुनाव प्रचार के मद्देनजर लिए गए निर्णय से अवगत कराया।

पार्टी नेतृत्व की योजना के मुताबिक सभी छोटे-बड़े पदाधिकारियों को पन्ना प्रमुख की जिम्मेदारी पहले ही सौंपी जा चुकी है। उन्हें मतदाता सूची के उस पन्ने के प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें बतौर मतदाता उनका नाम दर्ज है। इस तरह मुख्यमंत्री से लेकर बूथ अध्यक्ष तक पन्ना प्रमुख बनाया गया। सभी पन्ना प्रमुखों को पार्टी की ओर से उनका पन्ना सौंप दिया गया। वह अपने पन्ने में दर्ज नामों को भाजपा का वोट बनाने में जुट गए हैं और लगातार जनसंपर्क बनाए हुए हैं।

वर्चुअल वार की तैयारी

कोरोना संक्रमण के बीच विधान सभा चुनाव कुछ अलग होने की उम्मीद है। फिलहाल आयोग 15 जनवरी तक रैलियों जनसभाओं पर रोक लगा चुका है। लिहाजा भाजपा ने वर्चुअल रैलियों, सभाओं के जरिए जनता तक पहुंचने का प्लान तैयार किया है। भाजपा के वार रूम पहले ही पूरी तरह वर्चुअल रैलियों और सभाओं के लिए सुसज्जित हैं। पार्टी इस प्लेटफार्म पर कई सभाएं भी कर चुकी है। भाजपा कार्यालय में साइबर कक्ष बनाए गए है। यहां वर्चुअल रैली, सभा करने की भी व्यवस्था है। यहां से फोनो काल भी हो सकती है और वीडियो कांफ्रेंसिंग की भी सुविधा है। साइबर कक्ष से एक साथ सैकड़ों मोबाइल संदेश भेजे जा सकते हैं। भाजपा के अपने ही हाल हैं जहां शारीरिक दूरी के नियमों का पालन करते हुए वर्चुअल सभाओं में और लोगों को भी शामिल किया जा सकता है।

डिजिटल चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार कांग्रेस

कहीं पर प्रोजेक्टर्स तो कहीं पर एलईडी वैन से प्रचार

» हर राज्य के लिए बनाई अलग रणनीति

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। कोरोना काल में इस बार डिजिटल चुनाव होने जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने अभी 15 जनवरी तक रैलियों पर रोक लगा ही रखी है, अगर मामले बढ़ते गए तो इस पाबंदी को और ज्यादा बढ़ाया जा सकता है। ऐसे में कहा जा रहा है कि इस बार डिजिटल चुनाव देखने को मिलने वाला है जहां पर प्रचार भी डिजिटल रहेगा और प्रत्याशी अपना नामंकन भी डिजिटल अंदाज में संपन्न कर लेंगे। अब इसी कड़ी में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने भी अपनी तैयारी कर ली है। पार्टी ने हर राज्य के लिए एक अलग रणनीति बनाई है।

कहीं पर प्रोजेक्टर्स का इस्तेमाल किया जाएगा तो कहीं पर एलईडी वैन से प्रचार करने का मन बनाया गया है। बात सबसे पहले यूपी चुनाव की, जहां पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी काफी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। वैसे इस बार कांग्रेस सिर्फ रैलियों पर अपना फोकस नहीं जमा रही है बल्कि अब उसकी नजर किसान, नौजवान और महिलाओं पर भी है। उनके मुद्दों को उठाने पर जोर दिया जा रहा है। अब बात अगर पंजाब की करें तो यहां भी पार्टी ने अलग तैयारी कर रखी है। वहां पर पार्टी के पहले से मौजूद वाट्स एप ग्रुप को फिर मजबूत करने की कवायद है।

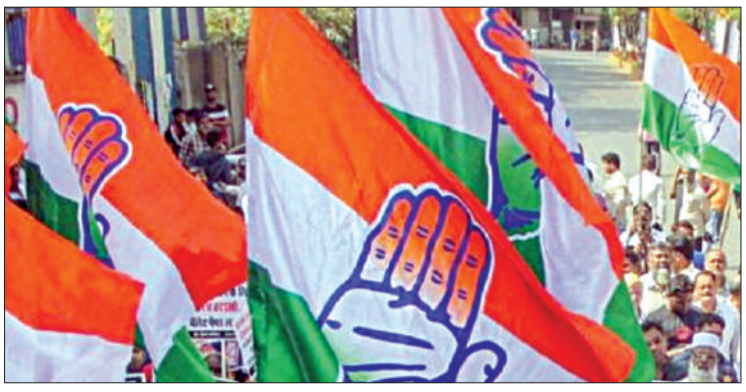

डिजिटल हो गया विधान सभा चुनाव

यूपी में कांग्रेस इस बार एलईडी वैन्स को अपने डिजिटल प्रचार का हिस्सा बनाने जा रही है। कहा जा रहा है कि यूपी कांग्रेस के पास सिर्फ एक हफ्ते के अंदर 4000 ऐसी वैन तैयार हो जाएंगी, जिनका इस्तेमाल कर कांग्रेस अपना सियासी संदेश असरदार तरीके से पहुंचा पाएगी। इस सबके अलावा कांग्रेस द्वारा शक्ति संवाद भी ऑनलाइन तरीके से किया जाएगा। उस संवाद में यूपी की महिलाओं की परेशानियों को सुना जाएगा और समय रहते हल करने का भी प्रयास रहेगा।

उत्तराखंड के लिए खास तैयारी

पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में भी कांग्रेस इस बार नए अंदाज में नजर आने वाली है। खबर है कि पार्टी आने वाले 6 दिनों के अंदर उत्तराखंड में 250 प्रोजेक्टर स्क्रीन लगाएगी। वैसे इस चुनावी प्रचार की शुरुआत कल प्रियंका गांधी ने ही कर दी थी। उनकी तरफ से शनिवार को एक फेसबुक लाइव का सेशन रखा गया था। वहां पर लोग सीधे-सीधे उनसे सवाल पूछ रहे थे और प्रियंका सभी का जवाब दे रही थीं। अब उसी पहल को आने वाले दिनों में और विस्तार दिया जाने वाला है। पार्टी पूरी तरह वर्चुअल अंदाज में चुनाव भी लड़ने जा रही है और वोट मांगने का तरीका भी बदल दिया जाएगा।

लड़की हूं लड़ सकती हूं... नारा हिट!

लड़की हूं लड़ सकती हूं... नारे के साथ कांग्रेस पार्टी ने चुनावी मैदान में शंखनाद किया है। कांग्रेस पार्टी ने इस बार विधान सभा चुनाव के लिए 40 फीसदी टिकट महिलाओं को देने का ऐलान किया है। प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने दावा किया है कि यूपी में चुनाव लड़ने के लिए अभी तक 9000 आवेदन आ चुके हैं और इनमें से 6000 महिलाओं के हैं। प्रियंका गांधी ने यूपी के विधान सभा चुनाव में महिलाओं को आरक्षण देने की बात कहकर चुनावी माहौल को गरमा दिया था। ऐसे में अगर यूपी में कांग्रेस का वनवास पूरा होता है तो यूपी के लोगों के साथ महिलाओं को खास तवज्जो मिलने वाली है। यही वजह है कि युवाओं और महिलाओं को आकर्षित करने के लिए कांग्रेस ने टिकट में आरक्षण की बात कही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

महामारी से सबक सीखने की जरूरत

देश में कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है। पिछले कई दिनों से रोजाना डेढ़ लाख से अधिक केस सामने आ रहे हैं। मृतकों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। रोज नई-नई पाबंदियां लगायी जा रही हैं लेकिन इसका कोई असर होता नहीं दिख रहा है। तमाम हिदायतों के बावजूद लापरवाही जारी है। लोग न तो मास्क लगा रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। यही नहीं कई करोड़ लोगों ने अभी तक टीका नहीं लगवाया है। सवाल यह है कि दूसरी लहर में हाहाकारी हालातों का सामना करने के बावजूद लोगों ने सबक क्यों नहीं सीखा? कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराने के आदेश कागजों पर क्यों सिमट गए हैं? केवल पाबंदियों की घोषणा कर राज्य सरकारें अपने कर्तव्यों की इतिश्री क्यों कर रही हैं? क्या बिना जनता के सहयोग के महामारी से निपटा जा सकता है? क्या पूर्ण लॉकडाउन के अलावा कोई और चारा नहीं है? महामारी के समय भी जनता अपने नागरिक कर्तव्यों का पालन क्यों नहीं कर रही है? क्या चुनावी राज्यों में मतदान के बाद हालात और खराब होने की आशंका नहीं है?

कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट ने पूरे देश में कोहराम मचा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में संक्रमण की रफ्तार बेतहाशा बढ़ेगी। मौतों का बढ़ता आंकड़ा दूसरी लहर की याद दिलाने लगा है। निर्देशों के बावजूद लोगों की लापरवाही चरम पर है। बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर लोग न तो मास्क लगा रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं। वैक्सीनेशन के बाद से यह लापरवाही और भी दिखने लगी है। हैरानी की बात यह है कि दूसरी लहर में दवा, ऑक्सीजन सिलेंडर और बेड की कमी को देखने के बाद भी लोग कोई सबक सीखने को तैयार नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकारों ने पाबंदियों का ऐलान जरूर कर दिया है लेकिन वे जमीन पर उतरती नहीं दिख रही हैं। पुलिस-प्रशासन भी कहीं भी सख्ती करता नहीं दिख रहा है। इसका असर संक्रमण की रफ्तार पर दिनों-दिन दिख रहा है। यह स्थिति तब है जब विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ओमिक्रॉन वेरिएंट को हल्के में नहीं लेने की चेतावनी जारी कर रखी है। स्पष्ट है तीसरी लहर अब अपने तेवर दिखाने लगी है और यही हाल रहा तो स्थितियां बेकाबू हो जाएंगी और एक बार फिर चारों ओर अफरा-तफरी का माहौल बन जाएगा। यह देश की अर्थव्यवस्था के साथ लोगों की रोजी-रोटी पर भी संकट खड़ा कर देगा। लिहाजा राज्य सरकारों को चाहिए कि वह इस मामले पर गंभीर होकर ठोस कदम उठाए और पाबंदियों का कठोरता से पालन सुनिश्चित करें।

कोरोना के डेल्टा और ओमिक्रॉन वेरिएंट ने पूरे देश में कोहराम मचा दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में संक्रमण की रफ्तार बेतहाशा बढ़ेगी। मौतों का बढ़ता आंकड़ा दूसरी लहर की याद दिलाने लगा है। निर्देशों के बावजूद लोगों की लापरवाही चरम पर है। बाजार और सार्वजनिक स्थलों पर लोग न तो मास्क लगा रहे हैं न ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन कर रहे हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतांत्रिक सीमाओं की क्षमता की परीक्षा

अश्विनी कुमार

माना जाता है कि समाज में लोगों की साझी भलाई की खातिर लोकतांत्रिक व्यवस्था की नैतिक श्रेष्ठता कायम रखना सरकार की जिम्मेदारी होती है। लोकतांत्रिक वैधता चुनावी प्रक्रिया की वह पूर्व-धारणा है जो लोगों को स्वेच्छापूर्वक एवं मुक्त मतदान करने में सहायक हो। वर्तमान स्थिति में, प्रजातंत्र की इन मूलभूत आवश्यक शर्तों को कायम रखना एक जीवंत लोकतंत्र की परीक्षा है। अकाट्य मेडिकल सबूत और विगत के अनुभवों ने शक के परे जाकर सिद्ध किया है कि चुनावी प्रक्रिया के दौरान भारी भीड़ जुटी और लाखों की संख्या में शारीरिक दूरी कायम रखे बिना, रैलियों में शामिल हुए लोग कोविड फैलाने का सबसे बड़ा कारक बने। बीते साल कुछ राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद कोविड की जो दूसरी लहर बनी थी, उससे हुए भारी जानी नुकसान का मंजर आज भी ताजा है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री चेता चुके हैं कि तीसरी लहर में कोविड मामले पिछली उच्चतम गिनती के मुकाबले 3-4 गुणा ज्यादा हो सकते हैं। यह साफ संकेत है कि देश में गंभीर मेडिकल आपदा आसन्न है और कड़े उपायों का विकल्प अपनाना होगा।

बेशक समयबद्ध चुनाव करवाने की अनिवार्यता राजनीतिक प्रजातंत्र का एक अभिन्न अवयव है, लेकिन आज इसके पालन से नागरिकों के स्वास्थ्य और जिंदगी की सुरक्षा की गारंटी देने वाले संवैधानिक प्रावधान से टकराव होता दिखाई देता है। व्यावहारिक यथार्थ बताता है कि चुनाव करवाने के दौरान वायरस का फैलाव न होने पाए इस हेतु कोविड आचार संहिता का पालन अक्षरश: होना असंभव है। अक्सर महत्वपूर्ण विकल्प आसान नहीं होते, लेकिन आवश्यक हैं। यह दलील दी जाती है कि चुनाव टालने से लोकतांत्रिक प्रक्रिया को धक्का लगता है और यह सत्तारूढ़ दल को अपने निर्धारित कार्यकाल से अधिक सत्ता का सुख लेने का मौका प्रदान करता है, जिसे एक तरह से अलोकप्रिय सरकारों का अवैध राज कहा जाए। हम यह भी जानते हैं कि 31 देशों में वहां के चुनाव आयोग ने निर्धारित प्रावधानों से परे हटकर विभिन्न स्तरों पर होने वाले चुनावों को टाल दिया है। हालांकि यह केवल संवैधानिक संशोधन के जरिए किया जा सकता है, जिसके लिए राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक सहमति की जरूरत है और वह हमारे यहां नदारद है। इससे संवैधानिक लचीलेपन पर सवाल उठते हैं कि अभूतपूर्व परिस्थिति में 'जीवंत संविधान' का

वादा, जो मुश्किल आपदा में ध्यान राष्ट्रीय चिंताओं पर केंद्रित रहे, क्या इस पर खरा उतरता है? विगत में संवैधानिक संशोधन करने वाले प्रावधान का इस्तेमाल कई बार तात्कालिक राष्ट्रीय चिंताओं का उपाय करने में चूका है। 'गंभीर राष्ट्रीय मेडिकल आपातकाल' पर आधारित संवैधानिक संशोधन के जरिए विधान सभाओं के कार्यकाल में अल्पकालिक विस्तार करने वाला प्रावधान जोड़ा जा सकता है। राजनीतिक नैतिकता की दरकार है कि हम पिछले अनुभवों से सबक लें और राजनीतिक लाभ एवं महत्वाकांक्षा की वेदी पर गलत चयनों का त्याग करें। कोविड की वर्तमान स्थिति के मद्देनजर हालिया प्रतिबंध, मसलन, कुछ राज्यों में रात्रि-सप्ताहांत कर्फ्यू और अन्य स्थानीय प्रतिबंधों वाले उपाय फिलहाल विधानसभा चुनाव करवाने के एकदम उलट हैं। एक तरफ लॉकडाउन लगाने में बरती गई अत्यंत अतार्किकता और दूसरी ओर चुनावी गतिविधियों की इजाजत देना लोगों की समझदारी का मजाक उड़ाना और हमारे नेताओं के उद्देश्यों पर सवालिया निशान है। देश को यह पूछने का हक है कि विशिष्ट परिस्थिति और लाखों लोगों पर आसन्न गंभीर खतरे के आलोक में सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में संज्ञान की अपेक्षा करना क्या बहुत ज्यादा आस है।

विगत में न्यायालय चुनावों को अस्थाई तौर पर आगे सरकाने के समर्थन में राष्ट्रीय मिजाज भांपने के बावजूद इस मामले में टाल-मटोल वाला रवैया रखता रहा है। मतदाता को अपना मताधिकार इस्तेमाल करने का हक है, किंतु यह बीमारी के डर और प्रतिबंध रहित मुक्त माहौल में हो, तभी सार्थक है। मौजूदा हालात में यह सोच से परे है कि चुनाव आयोग एक मुक्त एवं साफ-सुथरे चुनाव करवाने को जरूरी महत्वपूर्ण पूर्व-शर्तों की गारंटी दे सकते हैं, मसलन, विचार-विमर्श, समान भागीदारी, चुनाव प्रबंधन की गुणवत्ता, चुनाव लड़ने वालों को समान अवसर का पूर्ण एवं प्रभावी मौका देना आदि। जनता को यह जानने का हक है कि नागरिकों के मूलभूत अधिकार स्वतंत्रता, जीवन व निष्पक्ष चुनाव अक्षुण्ण रहें, इसको चुनाव आयोग और सर्वोच्च न्यायालय कैसे सुनिश्चित करेंगे।

न्यायपालिका के सुझावों की फिर अनदेखी

अनूप भटनागर

लड़कियों की विवाह की आयु बढ़ाकर लड़कों के समान करने के लिए संसद में विधेयक पेश करने वाली केंद्र सरकार के रुख से ऐसा लगता है कि समान नागरिक संहिता बनाने संबंधी संविधान का अनुच्छेद 44 अभी लंबे समय तक सुप्त प्रावधान ही रहेगा। इस निष्कर्ष पर पहुंचने की वजह केन्द्र सरकार का हलफनामा है जो उसने समान नागरिक संहिता के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित जनहित याचिका में दाखिल किया है।

देश में तेजी से हो रहे सामाजिक बदलाव के परिप्रेक्ष्य में विभिन्न धर्मों, संप्रदायों और पंथों में प्रचलित विवाह और विवाह विच्छेद के कानून एवं रीति-रिवाज, तलाक की स्थिति में महिलाओं के अधिकार, गुजारा भत्ता और संपत्ति में उनके अधिकार जैसे मुद्दों के न्याय संगत समाधान के लिए अब समान नागरिक संहिता की जरूरत पहले से ज्यादा महसूस की जा रही है। यही वजह है कि 1985 में शाहबानो प्रकरण से लेकर कई मामलों में न्यायपालिका ने संविधान के अनुच्छेद 44 में प्रदत्त समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने का सरकार को सुझाव दिया है। परंतु ऐसा लगता है कि महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए समान नागरिक संहिता लागू करने के न्यायपालिका के सुझावों के प्रति केंद्र गंभीर नहीं है या फिर वह इसमें राजनीतिक नफा-नुकसान की संभावनाएं तलाश रहा है। संविधान के अनुच्छेद 44 के अनुसार, 'शासन भारत के समस्त राज्य क्षेत्र में नागरिकों के लिये एक समान सिविल संहिता प्राप्त कराने का प्रयास करेगा।' बहुचर्चित शाहबानो प्रकरण में 1985 में उच्चतम न्यायालय ने समान नागरिक संहिता बनाने का सुझाव दिया था। इसके बाद भी हिन्दू व्यक्ति द्वारा पहली पत्नी से विवाह विच्छेद के बगैर ही धर्म परिवर्तन करके दूसरी शादी करने या अंतरजातीय विवाह में उत्पन्न विवादों के समाधान में आड़े आने वाली परंपराओं और तीन तलाक की कुप्रथा से प्रभावित मुस्लिम महिलाओं के लिए गुजारा भत्ता जैसे मामले हल करने के लिए न्यायपालिका लगातार समान नागरिक संहिता की आवश्यकता पर जोर देती रही है लेकिन अब केन्द्र सरकार ने उच्च न्यायालय में दाखिल हलफनामे में साफ कर दिया है कि यह विधायिका के अधिकार क्षेत्र का मामला है जिस पर गहराई से अध्ययन की आवश्यकता है। सरकार ने यह हलफनामा भाजपा नेता और अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका में दाखिल किया है। उपाध्याय चाहते हैं कि न्यायालय समान नागरिक संहिता का मसौदा तीन महीने के भीतर तैयार करने का निर्देश केंद्र को दे। केंद्र में दाखिल इस हलफनामे में कानून मंत्रालय ने कहा है कि संविधान के अंतर्गत सिर्फ संसद ही यह काम कर सकती है और न्यायालय कोई कानून विशेष बनाने का निर्देश विधायिका को नहीं दे सकता है। यह सर्वविदित है कि कानून बनाने का अधिकार संसद का ही है और इसीलिए शाहबानो प्रकरण से लेकर अभी तक कई मामलों में न्यायपालिका ने संसद को समान नागरिक संहिता लागू करने पर विचार करने का सुझाव दिया है। यह सुझाव वैसे भी महत्वपूर्ण है क्योंकि गोवा में पहले से ही समान नागरिक संहिता लागू है। भारतीय जनता पार्टी हमेशा ही समान नागरिक संहिता की पक्षधर रही है और उसने अपने चुनावी घोषणा पत्र में इसे शामिल भी किया था। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार ने इस संवेदनशील विषय को जून, 2016 में विधि आयोग के पास भेजा था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश बलबीर सिंह चौहान की अध्यक्षता वाले विधि आयोग ने 31 अगस्त, 2018 को सरकार को भेजे अपने परामर्श पत्र में कहा था कि फिलहाल समान नागरिक संहिता की आवश्यकता नहीं है। विधि आयोग का मत था कि समान नागरिक संहिता बनाने में कुछ बाधाएं हैं। आयोग ने इनमें पहली बाधा के रूप में संविधान के अनुच्छेद 371 और इसकी छठवीं अनुसूची की व्यावहारिकता का उल्लेख किया था। अनुच्छेद 371(ए) से (आई) तक में असम, सिक्किम, अरुणाचल, नगालैंड, मिजोरम, आंध्र प्रदेश और गोवा के बारे में कुछ विशेष प्रावधान हैं, जिनके तहत इन राज्यों को कुछ छूट प्राप्त हैं।

विधि आयोग की राय है कि हिन्दू, मुस्लिम, ईसाई, पारसी और समाज के विभिन्न धर्मों और समुदायों में प्रचलित कानूनों में महिलाओं को ही कई तरह से वंचित किया गया है। और यही भेदभाव तथा असमानता की मूल जड़ है। इस समानता को दूर करने के लिये संबंधित पर्सनल लॉ में उचित संशोधन करके इनके कतिपय पहलुओं को संहिताबद्ध किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय में केन्द्र सरकार के हलफनामे के बाद एक बात तो साफ हो गयी है कि संविधान के अनुच्छेद 44 में प्रदत्त समान नागरिक संहिता का विषय फिलहाल जस का तस राजनीतिक मुद्दा ही बना रहेगा और निकट भविष्य में शायद ही प्रावधान अमल में आ सके। इस बीच, अश्विनी उपाध्याय ने 'एक देश-एक नागरिक संहिता' विषय पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिख कर इसे लागू करने के लाभ और इसे लागू नहीं करने से उत्पन्न हो रही समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है। उम्मीद की जानी चाहिए कि लड़कियों की विवाह की उम्र 18 साल से बढ़ाकर 21 साल करने संबंधी बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक के माध्यम से विभिन्न समुदायों में प्रचलित उनके निजी कानूनों में भी प्रस्तावित संशोधन करके समस्या का कुछ हद तक समाधान हो सकेगा। फिलहाल तो यह विधेयक संसदीय स्थायी समिति के पास विचारार्थ है।

प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए मनाते हैं

लोहड़ी

लोहड़ी पंजाबियों का मुख्य त्योहार है। जिसे खासतौर पर उत्तर भारत में मनाया जाता है। 13 जनवरी को मनाए जाने वाले लोहड़ी पर्व के मायने वर्तमान समय में थोड़े बदल गए हैं। आज के समय में लोग अलाव के चारों तरफ हिट गानों पर नाचते हैं। वहीं फैंसी खाद्य पदार्थों को शामिल करने से लेकर फूड बास्केट गिफ्ट करने तक सीमित कर लिया है, लेकिन लोहड़ी का पारम्परिक तरीका इन सबसे भिन्न और रोचक है। लोहड़ी पर सूर्यास्त के बाद लोग मिलकर अलाव की परिक्रमा करते हैं। इसके पीछे की वजह ईश्वर और प्रकृति का आभार व्यक्त करना है। सभी ढोल की थाप पर नाचते और जश्न मनाते हैं। एक साथ मिलकर स्वादिष्ट पकवान की दावत करते हैं। इस दिन काले तिल, गजक, गुड़, मूंगफली और पॉपकॉर्न जैसे खाद्य पदार्थ अग्नि को समर्पित किये जाते हैं। आइए जानते हैं लोहड़ी से जुड़ी रोचक बातें....।

लोहड़ी शब्द का अर्थ

बहुत से लोग इस बात से अनजान हैं कि लोहड़ी शब्द 'तिलोहड़ी' से बना है। इसमें तिल का मतलब तिल और रोड़ी का मतलब गुड़ होता है। ऐसी मान्यता है कि ये दोनों खाद्य पदार्थ नए साल के लिए नई ऊर्जा लाते हैं, और शरीर को शुद्ध करने में मदद करते हैं। इसलिए प्रकृति के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए गुड़, गजक, तिल की चिक्की जैसे खाद्य पदार्थ अग्नि में अर्पित किए जाते हैं।

अलाव की परिक्रमा

माना जाता है कि लोहड़ी पर अगर कोई आग के चारों तरफ परिक्रमा देता है, तो उसे समृद्धि मिलती है। पंजाब में यह त्योहार नई दुल्हनों के लिए विशेष महत्व रखता है। वहीं कुछ लोगों का मानना है कि अलाव की परिक्रमा करने से उनकी प्रार्थनाओं और चिंताओं का तत्काल जवाब मिलेगा और जीवन सकारात्मकता से भर जाएगा।

फसल का त्योहार

लोहड़ी पंजाबी किसानों के लिए नया साल है। इस दिन, किसान कटाई शुरू होने से पहले प्रार्थना करते हैं और अपनी फसलों के लिए आभार प्रकट करते हैं। साथ ही अग्नि देव से उनकी भूमि को उपजाऊ बनाने की प्रार्थना करते हैं। परिक्रमा करते वक्त आदर ऐ दिलतेर जाए का जाप करते हैं, जिसका अर्थ होता है सम्मान आए और गरीबी दूर हो जाए

अलाव का महत्व

मान्यता है कि इस दिन अग्नि देवता को खाद्य पदार्थ चढ़ाने से जीवन से नकारात्मकता दूर होती है और समृद्धि आती है। यहां, अलाव अग्नि देव का प्रतीक माना गया है। ईश्वर को भोजन अर्पित करने के बाद, सभी लोग अग्नि देव से समृद्धि और खुशहाली का आशीर्वाद लेते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर कैसे हो? शराब पीना बंद किया या फिर नहीं? **मरीज** : जी डॉक्टर साहब, बिल्कुल छोड़ दिया है। बस कोई ज्यादा रिक्वेस्ट करता है तो पी लेता हूं। **डॉक्टर**: बहुत बढ़िया... और यह तुम्हारे साथ कौन भाई साहब हैं? मरीज: जी इनको रिक्वेस्ट करने के लिए रखा हुआ है।

एक गांव का लड़का जो दिल्ली नौकरी करने गया, अपने गांव वापस आया और अपने दोस्तों से बोला पता है जितनी भीड़ दिल्ली वालों की शादी में होती है, उससे ज्यादा भीड़ तो अपने यहां गांव में तब होती है जब खराब ट्रांसफॉर्मर ठीक होता है...

एक बार एक दादा-दादी ने जवानी के दिनों को याद करने का फैसला किया अगले दिन दादा फूल ले कर वहीं पहुंचे जहां वो जवानी में मिला करते थे, वहां खड़े-खड़े दादा के पैरों में दर्द हो गया लेकिन दादी नहीं आयी, घर जा कर दादा गुस्से से, आयी क्यों नहीं? दादी शर्माते हुए, मम्मी ने आने नहीं दिया।

लड़का-लड़की को छेड़ने में लगा हुआ था
लड़का:143 लड़की: ये 143 क्या है।
लड़का- I Love You डार्लिंग।
लड़की: 199 लड़का- ये 199 क्या है।
लड़की: मतलब पहले 199 का रिचार्ज करा।

कहानी — लोमड़ी और हंस

एक लोमड़ी और एक हंस दोनों आपस में अच्छे दोस्त थे। एक दिन लोमड़ी ने हंस को दावत पे अपने घर बुलाया। हंस दावत पे गया और लोमड़ी ने दोनों के लिए खीर बनाई। लेकिन लोमड़ी ने जानबूझकर दोनों के लिए प्लेट में खीर परोसी। अब हंस के सामने परेशानी यह थी कि वो खीर खाये तो कैसे खाये क्यूंकि हंस का मुँह तो पतला होता है और उसकी चोंच भी बिलकुल ऐसी नहीं थी कि वो एक प्लेट में रखी हुई खीर आसानी से खा सके। इसलिए बहुत कोशिश करने के बाद भी हंस कुछ न खा सका। इधर लोमड़ी मजे से खीर खा रही थी क्यूंकि प्लेट में खाना उसके लिए बेहद आसान था। इसलिए लोमड़ी ने जल्दी ही अपनी खीर चट कर दी। बेचारा हंस चुपचाप बस लोमड़ी का मुँह देखता रह गया। हंस लोमड़ी के इस व्यवहार पर बेहद नाराज हुआ लेकिन उस समय वो चुपचाप वहां से चला गया। अब वो लोमड़ी से इस अपमान का बदला लेना चाहता था। इसलिए कुछ दिन बाद उसने भी लोमड़ी को अपने घर दावत पे बुलाया। इस बार हंस ने दोनों के लिए खिच?ी पकाई। जब लोमड़ी दावत पे आयी तो हंस ने दोनों के लिए पतले मुँह वाली सुराहियों में खिच?ी परोसी। अब लोमड़ी यह देखकर परेशान हो गयी कि उसके लिए एक पतले मुँह वाली सुराही में खाना परोसा गया है जिसके कारण वो कुछ भी खा नहीं सकती। लोमड़ी को इस बार बहुत जोरो की भूख लगी थी लेकिन अब वो खाये तो कैसे। इधर हंस ब? मजे से लोमड़ी का आनंद ले रहा था क्यूंकि लम्बे और पतले मुँह वाली सुराही में खाना उसके लिए बहुत आसान था। लोमड़ी अब चुपचाप ये सब देखती रही और अब उसे वो पुरानी बात याद आ गयी जब इसी तरह उसने भी हंस का अपमान किया था। अब लोमड़ी बात को समझ चुकी थी। इसलिए वो चुपचाप वहां से खिसक ली। इस प्रकार हंस ने अपने अपमान का बदला ले लिया।

कहानी से शिक्षा: घर आये मेहमान का कभी अपमान नहीं करना चाहिए।

5 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

पति-पत्नी के बीच तालमेल रहेगा। सिंगल लोगों की लाइफ में पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है। आज पार्टनर के साथ शारीरिक संबंध बना सकेंगे। आज पारिवारिक संबंधों में मधुरता बढ़ेगी।

वृषभ

आज के दिन सिंगल लोगों को पार्टनर मिल सकता है। आज रिलेशनशिप को आगे बढ़ा सकेंगे। पार्टनर से आपको खूब प्यार मिलेगा। पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी। आज आपके रोमांटिक मूड में रहेंगे।

मिथुन

पार्टनर की तलाश पूरी हो सकती है। झगड़े से आप बोझिल महसूस करेंगे लेकिन थोड़े समय बाद सब ठीक होगा। पार्टनर से किसी बात को मनवाने का दबाव ना बनाएं।

कर्क

वाद-विवाद से बचें। रिश्तों में तनाव ना आएं। ध्यान रखें। आज पार्टनरशिप में नयापन लाने का प्रयास करेंगे। शांति बनाने की कोशिश करें इससे आपको पार्टनर से प्यार मिलेगा।

सिंह

प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। लव लाइफ में खुशी और तालमेल रहेगा। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

कन्या

पार्टनर के साथ मन मुटाव हो सकता है। आज छोटी-छोटी बातों पर पार्टनर के साथ झगड़ा हो सकता है। आज आपसे ज्यादा उम्र का कोई व्यक्ति आपसे प्रभावित हो सकता है।

तुला

आज पार्टनर की सेहत का ख्याल रखें। पार्टनर से आज सुख मिलेगा। तुला राशि वालों की दोस्ती प्यार में बदल सकती हैं। पति-पत्नी के बीच रिश्ते सामान्य रहेंगे।

वृश्चिक

प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। आज आपके काम पूरे होंगे। सहयोगी के साथ आपके रिश्ते मजबूत होंगे। आज आप प्यार का इजहार कर सकते हैं, जिसमें सफलता मिल सकती है।

धनु

आज का दिन अच्छा साबित होगा। आज सिंगल लोग किसी खास इंसान से मिलने की कोशिश करेंगे। जो किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उनके लिए आज का दिन अनुकूल है।

मकर

पार्टनर की गलती को नजर अंदाज करें। पति-पत्नी के बीच शांति बनी रहेगी। आज आप आपको नए दोस्त से प्रस्ताव मिल सकता है, जिससे आप उलझन महसूस करेंगे।

कुम्भ

अपनी भावनाएं पार्टनर के साथ शेयर करेंगे। बिगड़े रिश्तों में मधुरता लाने के लिए आज बात करें। आज बनने वाले संबंध ज्यादा समय तक नहीं चलेंगे। पति-पत्नी के बीच तालमेल बना रहेगा।

मीन

आज आपको मानसिक शांति मिलेगी। पार्टनर के साथ हुई अनबन से आज आपको राहत मिलेगी। पार्टनर की सेहत की चिंता रहेगी। आज आपको शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है।

बालीवुड | रिलीज

ऋतिक रोशन की विक्रम वेधा का फर्स्ट लुक हुआ रिलीज

ऋतिक रोशन की फिल्म 'विक्रम वेधा का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। यही नहीं, फिल्म की रिलीज डेट भी आ गई है, और यह 30 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आज ऋतिक रोशन का जन्मदिन है और इस मौके पर यह ऐलान किया गया। आज ऋतिक रोशन का 48वां जन्मदिन है। बता दें कि विक्रम वेधा इसी नाम की तमिल फिल्म की रीमेक है, जिसमें विजय सेतुपती और आर। माधवन लीड रोल में नजर आए थे। जबकि इसके हिंदी वर्जन में ऋतिक रोशन गैंगस्टर का किरदार निभाएंगे जो विजय सेतुपती ने निभाया था। आर माधवन पुलिस अफसर बने थे, और यह किरदार हिंदी में सैफ अली खान निभा रहे हैं। ऋतिक रोशन ने इस फोटो को शेयर करते हुए लिखा है, वेधा। वहीं फिल्म की निर्माता कंपनी 'टी-सीरीज ने भी ट्वीट किया है, ऋतिक रोशन को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। हमें विक्रम वेधा में वेधा का पहला लुक जारी करते हुए बेहद खुशी हो रही है। फिल्म दुनिया भर के सिनेमाघरों में 30 सितंबर, 2022 को रिलीज होगी। ऋतिक रोशन के इस लुक पर फैन्स खूब कमेंट कर रहे हैं और कह रहे हैं कि आग लगा दी। बता दें कि फिल्म विक्रम और बेताल की लोककथा पर आधारित है। हिंदी फिल्म में ऋतिक रोशन और सैफ अली खान के अलावा राधिका आप्टे भी नजर आएंगे। बता दें कि फिल्म को डायरेक्ट वही डायरेक्टर जोड़ी कर रही है जिसने तमिल फिल्म को डायरेक्ट किया था। यह जोड़ी है पुष्कर और गायत्री की।

अब हिंदी में रिलीज होगी पुष्पा

बॉलीवुड | मसाला

अल्लू अर्जुन एक्शन थ्रिलर पुष्पा द राइज पार्ट 1 बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद अब ओटीटी प्लेटफॉर्म पर धूम मचा रही है। सुकुमार द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म में अल्लू अर्जुन के अलावा फिल्म में रश्मिका मंदाना भी हैं। इस फिल्म से फहद फासिल ने तेलुगू सिनेमा में कदम रखा है। फिल्म का प्रीमियर 7 जनवरी को प्राइम वीडियो पर हुआ। यह फिल्म तेलुगू तमिल, मलयालम और कन्नड़ में उपलब्ध थी। लेकिन अब इसकी हिंदी रिलीज का भी ऐलान हो गया है। फिल्म 14 जनवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर हिंदी में देखी जा सकेगी। इस तरह हिंदी दर्शकों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म में अपने रोल के बारे में बात अल्लू अर्जुन ने बताया, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी, वह मुझे तुरंत सही लगा। एक अनजान व्यक्ति के ऊपर उठने की कहानी सुनने में अटपटी लग सकती है, लेकिन जिस तरह से उसकी यात्रा को फिल्म में प्रस्तुत किया गया है, इस चरित्र में कई परतें और बारीकियां जोड़ी गई हैं। मैंने इस तरह रोल अपने करियर में नहीं किया है। मैं इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और पूरी तरह रोमांचित हूं कि यह फिल्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होने के साथ दुनिया भर के दर्शकों तक पहुंचेगी। पुष्पा की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने कहा, कई महीनों की कड़ी मेहनत और प्रशिक्षण का फल उस समय मिल गया, जब मैंने दर्शकों को फिल्म की इतनी प्रशंसा करते हुए देखा है। अल्लू अर्जुन और फहद फासिल जैसे अभिनेताओं के साथ काम करना मेरे लिए बहुत ही खास रहा है। तेलुगु सिनेमा में अपनी पहली फिल्म फहद फासिल ने कहा, पुष्पा मेरे लिए तेलुगु फिल्म उद्योग में एक शानदार शुरुआत साबित हुई है। जिस तरह से मेरे चरित्र को आकार दिया गया है। हर फैक्टर को कहानी में गहरे रूप से बुना गया है। मुझे इस तरह की विशिष्ट भूमिका के लिए तैयारी करना बहुत पसंद है।

सारा का बकरी चराते वीडियो वायरल

बालीवुड | गपशप

सारा अली खान सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और यहां अक्सर अपने पोस्ट साझा करते हुए देखी जाती हैं। वैसे तो सारा की हर एक चीज को उनके फैन्स बहुत पसंद करते हैं, लेकिन सारा की सादगी उन्हें चाहने वालों को सबसे ज्यादा पसंद आती है। ऐसे में सारा अली खान ने एक बार फिर अपनी सादगी से लोगों का दिल जीत लिया है। सारा ने अपनी कुछ लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें उनका बड़ा ही चुलबुला अंदाज देखने को मिल रहा है। सारा ने अपनी तस्वीरों को अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। इन तस्वीरों में वे किसी गांव में नजर आ रही हैं। तस्वीर में वे कभी बकरी चराते तो कभी ट्रैक्टर पर आराम फरमाते हुए देखी जा सकती हैं। फोटो में सारा गांव के एक शख्स के साथ भी दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस इन तस्वीरों में जिस तरह से एन्जॉय करती दिख रही हैं, उसे देखने के बाद लोग भी उनकी तारीफ करने से खुद को रोक नहीं पा रहे। सारा ने तस्वीरों को शेयर करते हुए लिखा है, बकरी चराना। ट्रैक्टर चलाना। Was it just photo ka bahana? Or Sara wishing it was a different zamana?

गौरतलब है कि सारा अली खान कई बार मजेदार कविता बोलते हुए देखी जाती हैं, जिसे उनके फैन्स काफी पसंद करते हैं। ऐसे में उनका ये कैप्शन भी किसी कविता की तरह ही लग रहा है। सारा की पोस्ट पर फैन्स से लेकर सेलिब्रिटीज तक कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा है, 'हमारी देसी क्वीन। पोस्ट को अब तक 1 लाख 95 हजार से भी अधिक लाइक्स आ गए हैं।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे खूंखार ट्राइब

मुर्सी जनजाति; पीते हैं जानवरों का खून, हत्या करना है इनका शौक!

दुनिया के जिन हिस्सों तक विकास पहुंच गया है, वो वैज्ञानिक पद्धतियों से आगे बढ़ रहे हैं। हालांकि कई ऐसे इलाके भी हैं, जहां रहने वाले लोग आज भी हजारों साल पुरानी परंपराओं को ही निभाते हैं। वे जंगलों में रहते हैं और किसी की भी दखलअंदाल्ली अपनी ज़िंदगी में बर्दाश्त नहीं करते। यहां तक कि सरकारें भी इनके इलाके में दखलअंदाजी से बचती हैं। एक ऐसी ही जनजाति है इथियोपिया की खूंखार मुर्सी जनजाति। पूर्वी अफ्रीका में रहने वाली इस जनजाति को दुनिया की सबसे खूंखार और खतरनाक जनजातियों में गिना जाता है। जीवन जीने के लिए ये लोग हत्या को सबसे ज़रूरी मानते हैं। इनका सीधा फंडा है- किसी को मारे बगैर जिंदा रहने से अच्छा है खुद ही मर जाना। है न बेहद अजीब बात?

मर्दानगी की निशानी है खून-खराबा

मुर्सी जनजाति का बसेरा साउथ इथोपिया और सूडान बॉर्डर स्थित ओमान वैली में है। इनकी कुल आबादी 10 हजार के आसपास है। इथियोपिया की खूंखार मुर्सी जनजाति के लोगों के लिए किसी की हत्या करना मर्दानगी की निशानी मानी जाती है। इन लोगों के पास

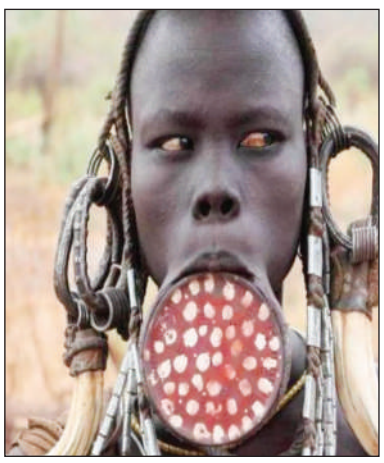

ऐसे-ऐसे हथियार होते हैं, जो पल भर में किसी का भी काम तमाम करने के लिए काफी होते हैं। ऐसा नहीं है कि ये सिर्फ पुराने हथियारों से लड़ते हैं। इन जनजाति के पास ए-47 जैसे आधुनिक हथियार भी मौजूद रहे हैं। बताया जाता है कि पड़ोसी देश सूडान और सोमालिया से उन्हें ये हथियार मिलते हैं, जिन्हें ये लोग गायों के बदले खरीदते हैं। उदाहरण के तौर पर 8-10 गाय देकर पुराना हथियार और 30-40 गाय देकर नया हथियार इन्हें मिल जाता है।

परंपराएं भी हैं बेहद अमानवीय

निर्दयता के अलावा मुर्सी जनजाति अपने अजीबोगरीब रिवाजों के लिए भी दुनियाभर में मशहूर है। खासतौर पर इस जनजाति की महिलाओं के निचले होंठ में लगाई जाने वाली लकड़ी या मिट्टी की डिस्क लगाने की परंपरा खासी सुर्खियां बटोरती है। ये बॉडी मॉडिफिकेशन प्रक्रिया इसलिए की जाती है, ताकि महिलाएं कम आकर्षक लगें। इसके अलावा इस जनजाति के लोग जानवरों का खून भी पीते हैं। खासतौर पर सेलिब्रेशन के मौके पर गाय का खून पीने की परंपरा इस जनजाति में चली आ रही है। शादी के लिए भी यहां खूनी लड़ाई होती है। डंडों से लड़ाई के दौरान जो पुरुष जीतता है, उसे सबसे सुंदर पत्नी मिलती है। इस जनजाति के लोग इतने ज्यादा खतरनाक होते हैं कि अगर कोई इनकी इजाजत के बिना इनके इलाके में चला जाए, तो उसका बचकर लौटना नामुमकिन हो जाता है।

सोने से बनी है ये खास मिठाई, कीमत जानकर घूम जाएगा आपका सिर

दुनिया भर में आपको खाने के शौकीन मिल जाएंगे, चाहे कुछ भी हो जाए इन्हें बस खाने से मतलब होता है। हम सभी को कुछ न कुछ खाना पसंद होता है। कुछ लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो कुछ लोगों को मीठा खाना पसंद होता है। मिठाई का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के मुंह में पानी आ जाता है। उत्तर प्रदेश की जलेबी हो या बंगाल का रशगुल्ला या फिर संदेश। बनारस का लौंगलत्ता हो या फिर आगरा का पेठा। मिठाई खाने के शौकीन अलग-अलग मिठाई खाना पसंद करते हैं। मिठाई खाने वाले उसकी कीमत कभी नहीं देखते हैं, उन्हें बस मिठाई खाने से मतलब होता है। चाहे वो महंगी से महंगी मिठाई क्यों न हो उन्हें बस वो खानी होती है। वैसे तो मिठाई दूध,खोवे, चीनी से बनाई जाती है, लेकिन हाल ही में एक मामला सामने आया है जहां मिठाई सोने की बनती है। इस मिठाई के बारे में लोग कह रहे हैं कि ये दुनिया की सबसे महंगी मिठाई है। इस मिठाई को खरीदने के लिए अमीर से अमीर व्यक्ति को भी एक बार अपने पर्स को देखना प?गा। इसकी कीमत हजारों में है। ये मिठाई इन दिनों लोगों में चर्चा का विषय बनी हुई है। इस मिठाई को खरीदना आम इंसान के बस की बात नहीं है,क्योंकि जितनी इसकी एक किलो की कीमत है। उतना एक आम इंसान महीनेभर में कमाता है।

जी हां, ये मिठाई बाजार में 16000 रूपये/किलो मिल रही है। इसके दाम को सुनते ही लोगों के होश उड़ जा रहे हैं। इस मिठाई का नाम गोल्ड प्लेटेड है। ये मिठाई सोने से तैयार की जाती है। इसपर सोने की परत चढ़ी होती है। मिठाई को बनाने के बाद इसपर केसर रखा जाता है जो इसके दाम के साथ-साथ इसकी खूबसूरती को बढ़ा देता है। कई लोग इस मिठाई को देखकर अपनी अलग-अलग राय दे रहे हैं और इसे खरीदने की इच्छा भी दिखा रहे हैं। कई लोगों का कहना है कि मिठाई की कीमत कितनी भी हो, लेकिन मिठाई देखने में खूबसूरत लग रही है। सोशल मीडिया पर आजकल इस मिठाई के खूब चर्चे हो रहे हैं।

अब प्रदेश में बढ़ी कोरोना की रफ्तार, मचा हड़कंप

» 24 घंटे में मिले 11089 नए केस, संक्रमण दर 5.4 फीसदी

» अधिकांश रोगी होम आइसोलेशन में, स्वास्थ्य विभाग चिंतित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में कोरोना की रफ्तार तेजी से बढ़ने लगी है। मंगलवार को कोरोना से संक्रमित 11089 नए केस मिले हैं। चौबीस घंटे में संक्रमितों की संख्या में 25 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कोरोना की रफ्तार से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि बीते 24 घंटे में 2.05 लाख लोगों की कोरोना जांच की गई और अब तक कुल 9.50 करोड़ लोगों का कोरोना टेस्ट कराया जा चुका है। अब सक्रिय केस बढ़कर 44466 हो गए हैं। इसमें से 43050 होम आइसोलेशन में हैं यानी 97 प्रतिशत मरीज घर पर अपना इलाज करा रहे हैं। 1461 रोगी अस्पतालों में भर्ती हैं। पांच मरीजों की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है। इसमें आजमगढ़, गोंडा, मुरादाबाद, मेरठ व कानपुर एक-एक मरीज की मौत हुई है। अब तक कुल 17.56 लाख लोग संक्रमित हो चुके हैं और इसमें से 16.89 लाख रोगी ठीक हो चुके हैं। सबसे ज्यादा 1829 नए संक्रमित गाजियाबाद में मिले हैं। गौतम बुद्ध नगर में 1680, लखनऊ में 1444, मेरठ में 905 और वाराणसी में 436 नए केस मिले हैं।

पांच जिलों में 60 फीसदी मरीज

प्रदेश में कोरोना के कुल 44466 मरीज हैं। इसमें से 60 प्रतिशत मरीज सिर्फ पांच जिलों में हैं। इन जिलों में 26199 मरीज हैं। इसमें गौतमबुद्ध नगर में 7335, गाजियाबाद में 6347, लखनऊ में 6070, मेरठ में 4443 व वाराणसी में 2004 रोगी हैं।

उन्नाव में भाई-बहन पर गिरी दीवार, मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

उन्नाव। घर के बाहर खेल रहे भाई-बहन के ऊपर एक मकान की दीवार अचानक गिर गई। लोगों ने आनन-फानन में मलबा हटाया और बच्चों को डॉक्टर के पास ले गए। डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना से स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

» घर के बाहर खेले रहे थे बच्चे, परिवार में मचा कोहराम

बेहटा मुजावर थानांतर्गत गांव अरगूपुर निवासी जाकिर अहमद की चार वर्षीय पुत्री शिफा और दो वर्षीय बेटा गोलू उर्फ अदनान आज सुबह सोकर उठे और घर के बाहर जाकर खेलने लगे। खेलते-खेलते दोनों सामने बने सद्दीक के मकान के पास पहुंच गए। तभी अचानक उस मकान की कमजोर दीवार भरभरा कर दोनों पर गिर गई। घटना पर स्वजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए। ग्रामीणों ने आनन-फानन दीवार का मलवा हटाया और दोनों को बाहर निकालकर बांगरमऊ सीएचसी ले गए। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मासूम भाई-बहनों की मौत से स्वजन में कोहराम मच गया। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है। स्वजन के अनुसार मृतक भाई बहन के बड़े भाई और हैं।

सिद्धू पर बरसे मजीठिया, बोले-

समर्थक कहेंगे तो उनके खिलाफ लड़ूंगा चुनाव

» सीएम समेत कई लोगों पर लगाया साजिश रचने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। ड्रग मामले में पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने के बाद शिअद नेता बिक्रम मजीठिया ने कहा कि सरकार ने मेरा लुकआउट नोटिस निकलवा दिया फिर भी मैं भागा नहीं। अब खुलकर लड़ेंगे। अगर समर्थक कहेंगे तो सिद्धू के खिलाफ भी चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ मुख्यमंत्री आवास में साजिश रची गई। इस साजिश में मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी, कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू, गृह मंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा और डीजीपी सिद्धार्थ चट्टोपाध्याय शामिल थे। उन्हे जेल भेजने के लिए सरकार ने चार डीजीपी बदल डाले। जिन अधिकारियों ने इस साजिश में शामिल होने से इंकार कर दिया, उन्हे गृह मंत्री से लेकर पुलिस के अधिकारियों ने धमकाया। यहां तक कि मेरा लुकआउट नोटिस तक जारी करवा दिया गया लेकिन वह पंजाब में ही रहे। मजीठिया ने कहा कि अग्रिम जमानत सबका अधिकार है इसलिए वह भी इसके लिए न्यायालय की शरण में गए और उन्हें राहत मिली।

आगरा में किसान की हत्या से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। मंसुखपुरा क्षेत्र के एक गांव में केबिल काटने की शिकायत पुलिस से करने पर दबंगों ने किसान की जान ले ली। आरोपी पक्ष से जमीन को लेकर रंजिश चली आ रही थी।

मंसुखपुरा के बाज का पुरा निवासी 32 वर्षीय ओमप्रकाश किसान थे। उनका गांव के ही विजय सिंह व राजपाल पक्ष से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। महेंद्र के चचेरे भाई विष्णु ने बताया कि ओमप्रकाश के ट्यूबवैल से बिजली की केबिल काट ली गई थी। विजय सिंह पक्ष पर उन्हें शक था। उन्होंने इसकी शिकायत थाने में कर दी। दो दिन पहले विजय सिंह पक्ष ने ओमप्रकाश को जान से मारने की धमकी दी। ओमप्रकाश थाने से शिकायत करके गांव लौटा था तभी राजपाल और उसके परिवार के लोगों ने घेर लिया और हत्या कर दी। एसपी पूर्वी सोमेंद्र मीणा का कहना है कि विवाद के बाद किसान की गांव के ही लोगों ने हत्या की है।

यूपी विधान सभा चुनाव में प्रत्याशी उतारेंगे आठवले

» कहा, भाजपा से चल रही है बातचीत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के अध्यक्ष और केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास आठवले ने कहा है कि उन्होंने यूपी चुनाव में भाजपा से 10 सीटें मांगी हैं अगर भाजपा ने गठबंधन के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया तो उनकी पार्टी कुछ सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। उनके जीतने वाले विधायक भाजपा का ही समर्थन करेंगे।

उन्होंने कहा कि पार्टी का रजिस्ट्रेशन बचाने के लिए विधान सभा चुनाव लड़ना जरूरी है। आरपीआई के यूपी में चुनाव लड़ने से भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा लेकिन गठबंधन होने से भाजपा को ज्यादा फायदा होगा। दलित वोट गठबंधन को मिलेगा इसलिए भाजपा को कम से कम 6-7 सीटें उन्हें देनी चाहिए। उन्होंने बताया कि आरपीआई से चुनाव लड़ने के लिए अब तक 50 आवेदन आए हैं। कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या के सपा में जाने पर उन्होंने कहा कि मौर्या का पार्टी बदलने का इतिहास रहा है। इससे भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव वाले सभी राज्यों में भाजपा उन्हें जहां भी प्रचार के लिए बुलाएगी, वे जाएंगे। आठवले ने कहा कि आरपीआई 27 जनवरी को लखनऊ में बड़ी रैली करेगी। इसमें 50 हजार से लेकर 1 लाख लोग शामिल होंगे।

पंजाब में भाजपा का कुनबा बढ़ाने में जुटे दिग्गज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब चुनाव से पहले भाजपा अपना कुनबा बढ़ाने में जुट गयी है। इसी कड़ी में पंजाब के पूर्व विधायक अरविंद खन्ना, शिअद नेता गुरदीप सिंह गोशा और अमृतसर के पूर्व पार्षद धर्मवीर सरीन सहित पंजाब के कई नेता केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में भाजपा में शामिल हो गए।

» अकाली नेता गुरदीप, पूर्व विधायक अरविंद समेत कई नेता भाजपा में शामिल

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने दावा किया कि फिरोजपुर में होने वाली रैली ऐतिहासिक होती लेकिन राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने पुलिस के साथ मिलकर न केवल लोगों को बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी रैली में आने से रोक दिया। इससे भाजपा कार्यकर्ताओं का संकल्प ही मजबूत हुआ है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भाजपा देश में ही नहीं दुनिया में सबसे बड़ी पार्टी है, पार्टी पंजाब में नहीं उठ पाई क्योंकि गठबंधन सीनियर और जूनियर पार्टनर का था।

तो नाराज पिछड़े नेता डुबा देंगे भाजपा की लुटिया!

» पिछड़ों पर हो रहे अत्याचार से नाराज होकर छोड़ रहे भाजपा

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने उठाए कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 4पीएम ने सबसे पहले कहा था कि स्वामी प्रसाद मौर्या भाजपा को छोड़ेंगे लेकिन तब भाजपा ने इसका खंडन किया था लेकिन अब स्वामी प्रसाद मौर्या समेत कई विधायकों ने इस्तीफा दे दिया। मौर्य समाज अगर नाराज हो गया तो भाजपा को सौ सीटें भी नहीं मिलेगी। सवाल यह है कि पिछड़े समाज के नेता भाजपा को लगातार क्यों छोड़ रहे हैं? ऐसे ही सवाल उठे लेखक रविकांत, सीपी राय, वरिष्ठ पत्रकार रूद्र प्रताप दुबे, श्वेता आर रश्मि, पूनम मेहता द्विवेदी, ममता त्रिपाठी और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

रुद्र प्रताप दुबे ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्या को हवा की समझ है। ये उनके इतिहास को देखकर समझा जा सकता है। अब राजनीति में विश्वसनीयता की कमी होती जा रही है। मौर्या बड़े कद के नेता है। पिछली बार वे जब बसपा से भाजपा में आए थे तब पार्टी को फायदा मिला था। पूनम मेहता द्विवेदी ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्या के जाने से भाजपा को झटका लगा है। गैर यादव को लामबंद कर पिछली बार भाजपा ने सफलता प्राप्त की थी। मौर्या के जाने से भाजपा का यह समीकरण दरकता दिख रहा है। ममता त्रिपाठी ने कहा, भाजपा ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश कर रही है। हालांकि भाजपा का बहुत बड़ा विकेट गिरा है। विधायकों में असंतोष था। एक ब्राह्मण नेता से भी बातचीत चल रही है। वे भी जा सकते हैं। भाजपा के समीकरण में अखिलेश ने बड़ी सेंध लगा दी है। श्वेता आर रश्मि ने कहा, भाजपा में संवाद की कमी थी। यह उसी का परिणाम है। विधायक अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना दे चुके हैं। जनता बदलाव का मन बना चुकी है। रविकांत ने कहा, केशव प्रसाद को भी बहुत उपेक्षित किया गया। वे ब्रांड बनकर उभरे थे। जब उनकी कोई हैसियत नहीं थी तो बसपा से आए स्वामी प्रसाद मौर्या को कितना सम्मान मिलता। पिछड़ों पर अत्याचार किए गए इसलिए पिछड़े नेता परेशान थे। डॉ. सीपी राय ने कहा, भाजपा सरकार में कोई खुश नहीं है। पूरा प्रशासन और मुख्यमंत्री कार्यालय भ्रष्टाचार में लिप्त है। जो भी नेता अफसरों के ऊपर निर्भर हो जाएगा वह बर्बाद हो जाएगा।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

संक्रान्ति पर करूंगा बड़ा धमाका तब बीजेपी को पता चलेगा : स्वामी प्रसाद

सस्पेंस बना रहना चाहिए, सरकार के ताबूत में आखिरी कील होगा मेरा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। स्वामी प्रसाद मौर्य ने भारतीय जनता पार्टी तो छोड़ दी है लेकिन वह अभी समाजवादी पार्टी में शामिल नहीं हुए हैं। मौर्य किस पार्टी में शामिल होंगे इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा सस्पेंस बना रहना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि 14 जनवरी को वह अंतिम धमाका करेंगे जो बीजेपी सरकार के ताबूत में आखिरी कील जैसा होगा। मकर संक्रान्ति पर बीजेपी को पता चलेगा कि दलितों व पिछड़ों के साथ अन्याय क्या होता है।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि हम कहां जा रहे हैं इस पर सस्पेंस बना रहना चाहिए। 14 जनवरी को वह घड़ी आएगी जब अंतिम धमाका होगा, जो भी निर्णय होगा वो बीजेपी सरकार के ताबूत में आखिरी कील होगा। मौर्य ने कहा कि मुझे कहां जाना है यह निर्णय मैं कार्यकर्ताओं से मिलकर लूंगा। बीजेपी छोड़ने के सवाल पर वह बोले कि राजनीति में कोई घरेलू विवाद नहीं होता और ना ही गुस्सा एक दिन में आता है। बीते 5 सालों में जो जनविरोधी नीतियां रही हैं उसका प्रतिकार में कैबिनेट में भी करता रहा, साथ ही साथ हम उचित प्लेटफार्म पर भी अपनी बात को रखते रहे। लगातार 5 साल तक इन लोगों ने जन विरोधी नीतियों के प्रति कार्य के लिए कोई उपाय नहीं किया।

प्रचंड बहुमत से बनेगी सरकार : सिद्धार्थनाथ

यूपी सरकार के प्रवक्ता और मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह का कहना है कि स्वामी प्रसाद मौर्य के भाजपा छोड़ने से पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर बिल्कुल भी असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने दावा किया है कि दलितों के लिए जितना काम भाजपा सरकार में हुआ, उतना काम सपा-बसपा की सरकारों में भी नहीं हुआ। यूपी चुनाव में भाजपा एक बार फिर प्रचंड बहुमत से सरकार बनाने जा रही है।

पंजाब : आप अगले हफ्ते करेगी सीएम के चेहरे का एलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ में पंजाब की कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब होती जा रही है, चन्नी सरकार इसे संभाल नहीं पा रही है। उन्होंने कहा कि पंजाब में मुख्यमंत्री के चेहरे का एलान अगले हफ्ते होगा।

केजरीवाल ने आगे कहा कि इतने सालों से बादल परिवार और कांग्रेस दोनों मिलकर पंजाब को लूट रहे थे, ये सिलसिला अब बंद होगा। पंजाब में कांग्रेस सरकार के दौरान बेअदबी के कांड, बम ब्लास्ट, प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक हो रही है। केजरीवाल ने कहा कि यदि आप सत्ता में आती है तो हम पंजाब के लोगों को कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार करने और बेअदबी की पिछली सभी घटनाओं में न्याय सुनिश्चित करने का आश्वासन देते हैं।

चुनाव से पहले कांग्रेस को झटका विधायक नरेश सैनी बने भाजपाई

» स्वतंत्रदेव सिंह और केशव प्रसाद ने दिलाई सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधान सभा चुनाव के ऐलान के साथ ही नेताओं के पार्टी बदलने का सिलसिला तेज हो गया है। भाजपा ने बुधवार को अपने मिशन यूपी को आगे बढ़ाया और तीन बड़े नेता बीजेपी में शामिल हुए, इससे कांग्रेस और सपा को बड़ा झटका लगा है। सहारनपुर के बेहट विधान सभा सीट से कांग्रेस के विधायक नरेश सैनी और फिरोजाबाद के सिरसागंज के सपा विधायक हरिओम यादव बीजेपी में शामिल हुए। इसके अलावा पूर्व विधायक धर्मपाल सिंह भी बीजेपी में शामिल हुए, जो कुछ दिनों पहले बीएसपी छोड़कर सपा में शामिल हुए थे और अब बीजेपी में शामिल हो गए है।

दरअसल, यूपी में कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में शुमार इमरान मसूद समाजवादी पार्टी (सपा) में शामिल होने जा रहे हैं। उनके साथ सहारनपुर ग्रामीण से कांग्रेस विधायक मसूद अख्तर भी सपा में शामिल हो रहे हैं, लेकिन इमरान के करीबी कांग्रेसी विधायक नरेश सैनी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ज्वॉइन करने का फैसला किया है। दिल्ली में आज बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई है। बेहट से विधायक नरेश सैनी के बीजेपी में जाने के पीछे की सबसे बड़ी वजह बेहट सीट बताई जा रही है। सूत्रों से खबर है कि इमरान मसूद इस बार खुद बेहट सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं, ऐसे में उनके करीबी विधायक नरेश सैनी ने इमरान का हाथ छोड़कर बीजेपी के साथ जाने का फैसला किया है। बताया जाता है कि नरेश सैनी को राजनीति में लाने वाले इमरान मसूद ही हैं। इमरान ने 2012 के चुनाव में नरेश सैनी को बेहट से कांग्रेस का टिकट दिलवाया था। उस चुनाव में वह बीजेपी के महावीर राणा से महज 514 वोटों से हार गए थे, लेकिन 2017 में कांग्रेस के टिकट पर लड़े नरेश सैनी ने महावीर राणा को 25 हजार से अधिक वोटों से पटखनी दी थी।

फोटो : 4पीएम

कोरोना जांच के लिए लगी भीड़

लखनऊ। राजधानी में संक्रमण का ग्राफ भी लगातार तेजी से ऊपर चढ़ रहा है। नए मरीजों में लगातार बढ़ोत्तरी जारी है। स्वास्थ्य विभाग लगातार बढ़ रहे मरीजों की संख्या को लेकर लोगों से गाइड लाइन का पालन करने की अपील कर रहे है। बावजूद इसके अब भी सार्वजनिक स्थानों व अस्पतालों में लापरवाही बरती जा रही है। केजीएमयू में लोग कोविड जांच कराने के दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते नहीं दिखे।

धर्म संसद मामले में केंद्र को नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हरिद्वार धर्म संसद में भड़काऊ भाषण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और उत्तराखंड सरकार को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा शीर्ष कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की सुनवाई 10 दिन बाद करेगा, क्योंकि इस तरह के मामले पहले से ही लंबित हैं।

इस दौरान याचिकाकर्ता के वकील कपिल सिब्बल ने 23 जनवरी को अलीगढ़ में होने वाली धर्म संसद पर रोक लगाने की मांग की। इस पर कोर्ट ने कहा कि वह इसके लिए राज्य सरकार को ज्ञापन दें। न्यायमूर्ति हेमा कोहली की पीठ ने याचिकाकर्ताओं को भविष्य में धर्म संसद आयोजित करने के खिलाफ स्थानीय प्राधिकरण को प्रतिनिधित्व देने की अनुमति दी।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक केस की जांच के लिए बनी टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» सुप्रीम कोर्ट की पूर्व जज इंदू मल्होत्रा के नेतृत्व में समिति करेगी जांच

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा में चूक मामले की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कमेटी के गठन का ऐलान कर दिया है। पंजाब में हुई सुरक्षा में चूक की जांच चार सदस्यों की कमेटी करेगी। इसकी अगुआई जस्टिस इंदु मल्होत्रा करेंगी। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सभी मौजूदा जांच कमेटियों पर रोक भी लगा दी है।

बता दें कि पंजाब सरकार और गृह मंत्रालय दोनों ने मामले की जांच के लिए अपनी-अपनी कमेटी बनाई थी, दोनों ने ही एक-दूसरे की जांच पर भरोसा नहीं होने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट ने अभी अपने आदेश में समय सीमा तय नहीं की है। कोर्ट ने कहा समिति जल्द रिपोर्ट देगी। कमेटी ये अध्ययन करेगी कि सुरक्षा में चूक का मूल कारण क्या था? सुरक्षा को और अभेद्य बनाने के लिए और कौन-कौन से उपाय किए जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जनवरी को मामले में फैसला सुरक्षित रखा था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।